THE CORE IAS

पत्र सूचना कार्यालय
PRESS INFORMATION BUREAU
भारत सरकार

प्रिलिम्स 2023 के लिए समाचार

जून, 2023

www.thecoreias.com
/thecoreias /thecoreias /iascore /thecoreias /thecoreias

विषय सूची

I. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (1-2)

II. रक्षा (3)

III. अर्थव्यवस्था (4-5)

IV. पर्यावरण (6-8)

V. इतिहास (9-10)

VI. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय (11-12)

VII. योजना (13-16)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विज्ञान-विदुषी

डॉक्टरेट स्तर पर भौतिकी के अनुशासन में लिंग संतुलन को संबोधित करने के लिए एक पहल, विज्ञान-विदुषी - 2023, मुंबई में होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (HBCSE) में शुरू हुई है।

खगोलविदों ने एक आश्चर्यजनक सौर विस्फोट देखा है जो स्थिर तापमान बनाए रखता है

सौर विस्फोट के केंद्र की ऊर्जा स्थिति के निरंतर विकास पर नजर रखने वाले वैज्ञानिकों ने पाया है कि जब यह सौर कोरोना से ऊर्जावान और अत्यधिक चुंबकीय प्लाज्मा को अंतरिक्ष में विस्फोटित करता है तो यह अजीब तरह से निरंतर तापमान बनाए रखता है। इस खोज से हमारी समझ में सुधार हो सकता है कि ऐसे विस्फोट पृथ्वी पर संचार प्रणालियों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) सौर वायुमंडल से अंतरिक्ष में आवेशित कणों (प्लाज्मा) और चुंबकीय क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर विस्फोट है। वे पृथ्वी पर जमीन और अंतरिक्ष-आधारित प्रौद्योगिकियों और उपग्रहों की एक श्रृंखला को बाधित कर सकते हैं। इस प्रकार, अंतरग्रहीय अंतरिक्ष के माध्यम से उनके विकास और प्रसार को समझना महत्वपूर्ण है। कोरोनल मास इजेक्शन के भीतर प्लाज्मा तापमान की एक विस्तृत श्रृंखला होती है, ठंडे क्रोमोस्फेरिक सामग्री (लगभग 104 K) से लेकर गर्म प्लाज्मा (लगभग 107 K) तक। **जब कोरोनल मास इजेक्शन का प्रसार होता है, तो कई प्रक्रियाएं ऊर्जा (विद्युत, गतिज, क्षमता, थर्मल, आदि) का आदान-प्रदान कर सकती हैं, जिससे प्लाज्मा गर्म या ठंडा हो जाता है। अंतर्निहित प्रक्रियाओं को समझने के लिए, सीएमई के थर्मोडायनामिक गुणों (जैसे घनत्व, तापमान, थर्मल दबाव, आदि) के विकास का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। इससे अंतरिक्ष के मौसम पर नजर रखने की हमारी क्षमता में मदद मिलेगी।**

भारत के पहले सौर मिशन, आदित्य-एल1 पर विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ (वीईएलसी) जल्द ही लॉन्च किया जाएगा और यह आंतरिक कोरोना में सीएमई की स्पेक्ट्रोस्कोपी और इमेजिंग दोनों करेगा। वीईएलसी डेटा का उपयोग करके इसी तरह का विश्लेषण आंतरिक कोरोना में सीएमई थर्मोडायनामिक गुणों के विकास की नई अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

भारतीय औषधि नियंत्रक ने त्वचा के घावों को न्यूनतम दाग के साथ ठीक करने के लिए पहले स्वदेशी रूप से विकसित पशु-व्युत्पन्न ऊतक इंजीनियरिंग तकनीक को मंजूरी दी

स्तनधारी अंगों से पहले स्वदेशी रूप से विकसित ऊतक इंजीनियरिंग तकनीक, एक पशु-व्युत्पन्न क्लास डी जैव-चिकित्सकीय उपकरण जो कम लागत पर न्यूनतम दाग के साथ त्वचा के घावों को तेजी से ठीक कर सकता है, को भारतीय औषधि नियंत्रक से मंजूरी मिल गई है।

इसके साथ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) का एक स्वायत्त संस्थान, श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एससीटीआईएमएसटी), क्लास डी चिकित्सा उपकरणों को विकसित करने वाला देश का पहला संस्थान बन गया, जो भारत सरकार के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की सभी वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करता है।

उन्नत घाव देखभाल उत्पादों के रूप में पशु-व्युत्पन्न सामग्रियों का उपयोग करने की अवधारणा नई नहीं है। हालाँकि, औषधि महानियंत्रक की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाने के लिए अभी तक स्वदेशी तकनीक उपलब्ध नहीं थी। इसलिए, ऐसे उत्पादों को आयात किया गया जिससे वे महंगे हो गए।

GEMCOVAC®-OM

GEMCOVAC® -OM भारतीय COVID-19 टीकों के त्वरित विकास के लिए भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत 3.0 पैकेज के तहत DBT और BIRAC द्वारा कार्यान्वित मिशन COVID सुरक्षा के समर्थन से विकसित पांचवां टीका है।

GEMCOVAC® -OM एक ऊष्मातापी वैक्सीन है और इसे अन्य अनुमोदित mRNA- आधारित टीकों के लिए उपयोग किए जाने वाले अल्ट्रा-कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता नहीं होती है।

GEMCOVAC® -OM वैक्सीन सुई-मुक्त इंजेक्शन डिवाइस प्रणाली का उपयोग करके अंतर्त्वचीय रूप से वितरित की जाती है और अध्ययन प्रतिभागियों में इसने काफी अधिक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न की। नैदानिक परिणाम वांछित प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के लिए भिन्न-भिन्न टीकों की आवश्यकता को दर्शाता है।

mRNA टीके कैसे काम करते हैं?

- एमआरएनए वैक्सीन शरीर को ही वायरस का एक हिस्सा बनाने का निर्देश देती है।
- आनुवंशिक रूप से संरचित किया गया एमआरएनए कोशिकाओं को कोविड-19 वायरस की सतह पर पाए जाने वाले स्पाइक प्रोटीन बनाने का निर्देश देता है।
- उम्मीद यह है कि प्रतिरक्षा प्रणाली स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ प्रतिक्रिया करेगी, और वह, यदि और जब कोई वास्तविक संक्रमण होता है, तो प्रतिरक्षा कोशिकाएं स्पाइक प्रोटीन को पहचानेंगी और उसके खिलाफ कार्य करेंगी।

लाभ:

- इसमें पारंपरिक टीके की तुलना में छोटी खुराक की आवश्यकता होती है, यह देखते हुए कि उन्हें आवश्यक मात्रा में एंटीजन शरीर में ही निर्मित होगा।
- पश्चिमी देशों के विपरीत, जहां वैक्सीन को शून्य से नीचे के तापमान पर स्टोर करना पड़ता है, भारत में वैक्सीन को 2-8 डिग्री सेल्सियस पर स्टोर किया जा सकता है।
- एमआरएनए भंगुर होता है और आसानी से टूट जाता है, यही कारण है कि इस प्लेटफॉर्म पर आधारित टीकों को बेहद कम तापमान पर स्टोर करने की आवश्यकता होती है, जिससे टूटने से बचा जा सके।
- GEMCOVAC-19 को अब एक मानक मेडिकल रेफ्रिजरेटर के तापमान पर स्टोर किया जा सकता है।
- वैक्सीन पाउडर के रूप में संग्रहित होती है। तरल से पाउडर के रूप में रूपांतरण लियोफिलाइजेशन नामक प्रक्रिया द्वारा होता है, जिसमें उत्पाद को फ्रीज करना और पानी को हटाने के लिए इसे निर्वात के अधीन करना शामिल है (ऊर्ध्वपातन नामक प्रक्रिया द्वारा इसे बर्फ की स्थिति से जल वाष्प की स्थिति में परिवर्तित किया जाता है)।
- यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है क्योंकि सामान्य वायुमंडलीय दबाव में बर्फ गैसीय अवस्था में जाने से पहले तरल पानी में बदल जाती है
- बर्फ को जलवाष्प में बदलने के लिए ताकि इसे हटाया जा सके, आसपास के दबाव और तापमान को कम करना होगा और फिर इसे इस तरह से स्थिर रखना होगा कि वैक्सीन की विशेषताएं लियोफिलाइजेशन से पहले जैसी ही हों।

DBT के बारे में:

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत में जैव प्रौद्योगिकी के विकास को बढ़ावा देता है और इसमें तेजी लाता है, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, पशु विज्ञान, पर्यावरण और उद्योग के क्षेत्रों में जैव प्रौद्योगिकी का विकास और अनुप्रयोग शामिल है।

BIRAC के बारे में:

- **जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) एक गैर-लाभकारी धारा 8, अनुसूची बी, के तहत सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जिसे भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा उभरते हुए लोगों को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए एक इंटरफेस एजेंसी के रूप में स्थापित किया गया है। बायोटेक उद्यम राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक उत्पाद विकास आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए रणनीतिक अनुसंधान और नवाचार करेंगे।**

***

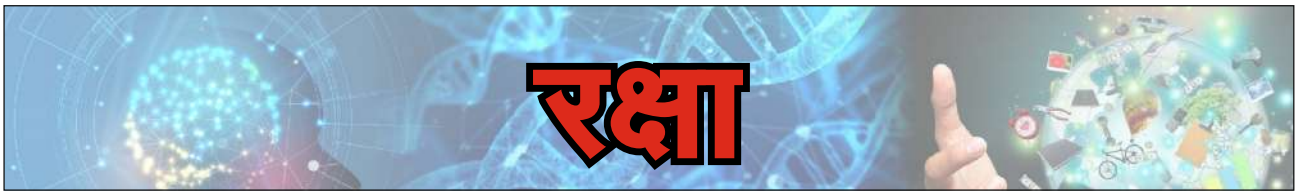

प्रथम भारत-फ्रांस-यूएई समुद्री साझेदारी अभ्यास

भारत, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात समुद्री साझेदारी अभ्यास का पहला संस्करण **ओमान की खाड़ी** में शुरू हुआ। आईएनएस तरकश और फ्रांसीसी जहाज सुरकॉफ दोनों अभिन्न हेलीकॉप्टरों के साथ, फ्रांसीसी राफेल विमान और संयुक्त अरब अमीरात नौसेना समुद्री गश्ती विमान अभ्यास में भाग ले रहे हैं।

संशोधक

भारतीय नौसेना के लिए एलएंडटी/जीआरएसई द्वारा बनाए जा रहे सर्वे वेसल्स (बड़े) (एसवीएल) प्रोजेक्ट के चार जहाजों में से चौथा 'संशोधक' चेन्नई में लॉन्च किया गया। 'संशोधक' नामक जहाज, जिसका अर्थ है 'शोधकर्ता', एक सर्वेक्षण जहाज के रूप में जहाज की प्राथमिक भूमिका को दर्शाता है। परियोजना के पहले तीन जहाज संध्याक, निर्देशक और इक्षक पहले लॉन्च किए गए थे।

एसवीएल जहाज समुद्र संबंधी डेटा एकत्र करने के लिए मौजूदा संध्याक क्लास सर्वेक्षण जहाजों को नई पीढ़ी के हाइड्रोग्राफिक उपकरणों से बदल देंगे।

एक्स खान क्वेस्ट 2023

बहुराष्ट्रीय शांति स्थापना संयुक्त अभ्यास "एक्स खान क्वेस्ट 2023" जिसमें 20 से अधिक देशों के सैन्य टुकड़ियों और पर्यवेक्षकों की भागीदारी शामिल है, **मंगोलिया में** शुरू हो गया है। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व गढ़वाल राइफल्स की एक टुकड़ी द्वारा किया जाता है। सैन्य अभ्यास से भारतीय सेना और भाग लेने वाले देशों, विशेषकर मंगोलियाई सशस्त्र बलों के बीच रक्षा सहयोग का स्तर बढ़ेगा, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बढ़ेंगे।

एमक्यू-9बी ड्रोन

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने विदेशी सैन्य बिक्री (एफएमएस) मार्ग के माध्यम से **संयुक्त राज्य अमेरिका से त्रि-सेवाओं के लिए** 31 एमक्यू-9बी (16 स्काई गार्जियन और 15 सी गार्जियन) हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (एचएएलई) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) के अधिग्रहण के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की।

आपूर्ति श्रृंखला (स्तंभ-II) समझौते के लिए बातचीत

अमेरिका की मेजबानी में डेट्रॉइट में आयोजित दूसरी व्यक्तिगत **इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क** (आईपीईएफ) मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान आपूर्ति श्रृंखला (स्तंभ-द्वितीय) समझौते के लिए बातचीत काफी हद तक संपन्न हुई। एक बार लागू होने के बाद, आपूर्ति श्रृंखला समझौते से भारत और अन्य आईपीईएफ भागीदार देशों को कई लाभ होने की उम्मीद है।

अपेक्षित कुछ प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं:

- प्रमुख वस्तुओं/महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उत्पादन केंद्रों का भारत में संभावित स्थानांतरण;

घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाना;

- आत्मनिर्भर भारत और उत्पादन से जुड़ी पहल योजनाओं को बढ़ावा देना;
- विशेष रूप से प्रमुख वस्तुओं, रसद सेवाओं और बुनियादी ढांचे के उत्पादन में निवेश जुटाना;
- वैश्विक आपूर्ति और मूल्य श्रृंखलाओं, विशेषकर भारतीय एमएसएमई में भारत का गहरा एकीकरण;
- भारत से बढ़ा हुआ निर्यात; मूल्य श्रृंखलाओं में ऊर्ध्वगामी गतिशीलता;
- आपूर्ति श्रृंखला के झटकों/प्रतिकूल घटनाओं से भारत में आर्थिक व्यवधानों के जोखिमों का शमन;
- भारतीय उत्पादों के प्रवाह को सुविधाजनक बनाने वाले एक निर्बाध क्षेत्रीय व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण; व्यापार दस्तावेजीकरण के डिजिटल आदान-प्रदान, त्वरित बंदरगाह मंजूरी सहित बढ़ी हुई व्यापार सुविधा; संयुक्त अनुसंधान एवं विकास; और कार्यबल विकास;
- भारत और अन्य साझेदार देश समझौते के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए संलग्न रहना जारी रखेंगे ताकि समझौते के समग्र उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके, जो आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला, मजबूत और अच्छी तरह से एकीकृत बनाना और समग्र रूप से क्षेत्र के आर्थिक विकास और प्रगति में योगदान देना है।
- आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला (स्तंभ-II) समझौता अब तक के सबसे तेजी से संपन्न बहुपक्षीय आर्थिक सहयोग समझौतों में से एक है। इस समझौते के तहत, आईपीईएफ भागीदार देश निम्नलिखित की मांग कर रहे हैं: **संकट प्रतिक्रिया उपायों के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला, मजबूत और अच्छी तरह से एकीकृत बनाना; व्यवसाय की निरंतरता को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने और लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी में सुधार के लिए व्यवधानों के प्रभाव को कम करने के लिए सहयोग; विशेष रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों और प्रमुख वस्तुओं के उत्पादन में निवेश को बढ़ावा देना; और अपेक्षित अपस्किलिंग और रीस्किलिंग के माध्यम से कार्यकर्ता की भूमिका में वृद्धि, और आईपीईएफ में कौशल क्रेडेंशियल ढांचे की तुलनात्मकता बढ़ाना।** इसमें आईपीईएफ भागीदारों के बीच सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना 2023-24

एसजीबी को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (लघु वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर), स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल), नामित डाकघरों और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों जैसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचा जाएगा।

बांड की विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- **भारत सरकार की ओर से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाएगा।**
- **एसजीबी को निवासी व्यक्तियों, एचयूएफ, ट्रस्टों, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थानों को बिक्री के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा।**

- एसजीबी को एक ग्राम की मूल इकाई के साथ सोने के ग्राम के गुणकों में दर्शाया जाएगा।
- एसजीबी की अवधि आठ वर्ष की अवधि के लिए होगी, जिसमें 5वें वर्ष के बाद समयपूर्व मोचन का विकल्प होगा, जिसका उपयोग ब्याज देय तिथि पर किया जाएगा।
- एसजीबी की अवधि आठ वर्ष की अवधि के लिए होगी, जिसमें 5वें वर्ष के बाद समयपूर्व मोचन का विकल्प होगा, जिसका उपयोग ब्याज देय तिथि पर किया जाएगा।
- सदस्यता की अधिकतम सीमा समय-समय पर सरकार द्वारा अधिसूचित प्रति वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) व्यक्ति के लिए 4 किलोग्राम, एचयूएफ के लिए 4 किलोग्राम और ट्रस्टों और समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम होगी। सदस्यता के लिए आवेदन करते समय निवेशकों से इस आशय की एक स्व-घोषणा प्राप्त की जाएगी। वार्षिक सीमा में विभिन्न किश्तों के तहत सब्सक्राइब किए गए एसजीबी और वित्तीय वर्ष के दौरान द्वितीयक बाजार से खरीदे गए एसजीबी शामिल होंगे।
- निवेशकों को नाममात्र मूल्य पर अर्ध-वार्षिक रूप से देय 2.50 प्रतिशत प्रति वर्ष की निश्चित दर पर मुआवजा दिया जाएगा।
- एसजीबी पर ब्याज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रावधान के अनुसार कर योग्य होगा। किसी व्यक्ति को एसजीबी के मोचन पर उत्पन्न होने वाले पूंजीगत लाभ कर से छूट दी गई है। एसजीबी के हस्तांतरण पर किसी भी व्यक्ति को होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के लिए इंडेक्सेशन लाभ प्रदान किया जाएगा।
- केवल ग्रहणाधिकार/दृष्टिबंधन/प्रतिज्ञा लागू करने की प्रक्रिया के माध्यम से बैंकों द्वारा अर्जित एसजीबी को वैधानिक तरलता अनुपात में गिना जाएगा।

OTHER PYQ BOOKLETS

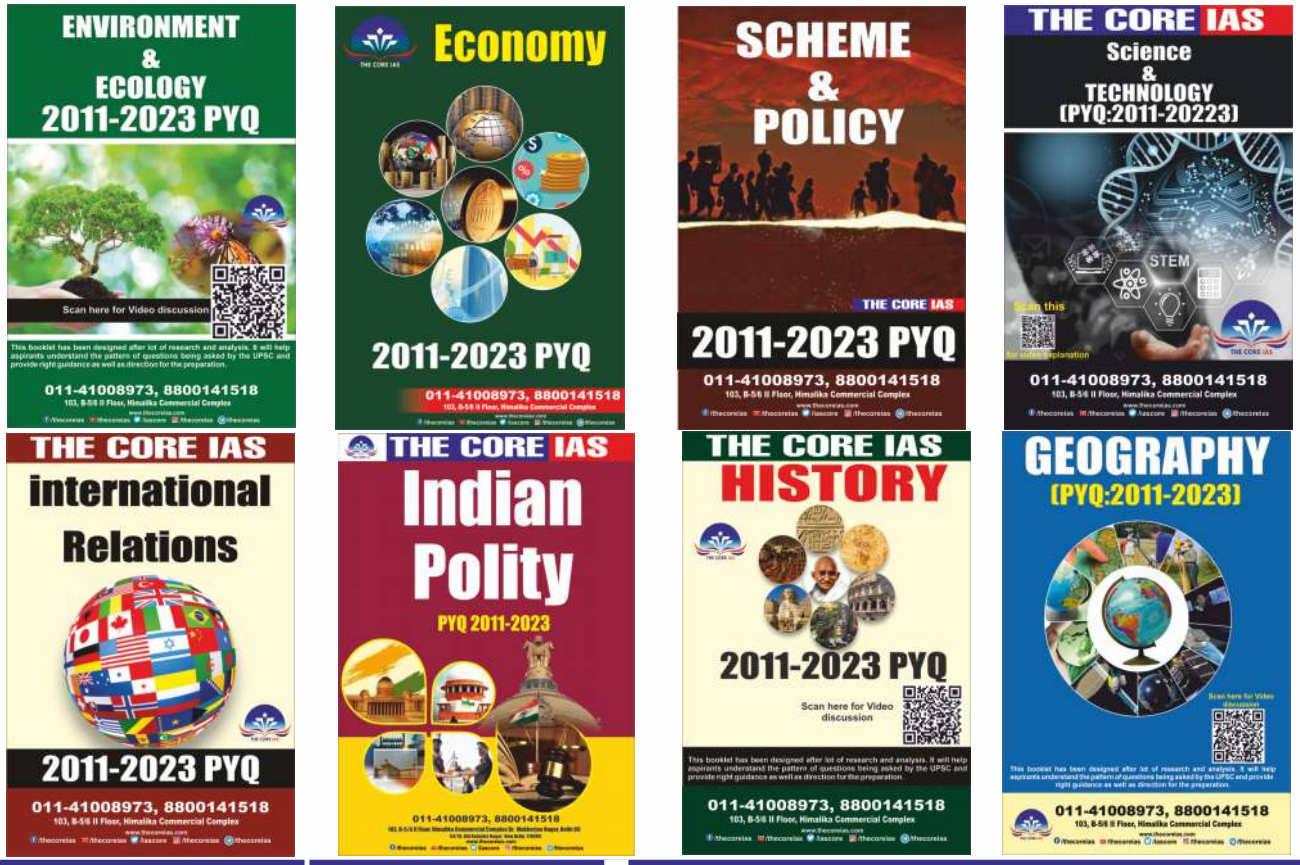

103, B-5/6 II Floor, Himalika Commercial Complex Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 09

53/18, Old Rajinder Nagar, New Delhi, 110060

011-41008973, 8800141518, 9873833547

मिशन लाइफ

LiFE की अवधारणा का उद्देश्य व्यक्तियों को अपनी जीवनशैली में बदलाव करने के लिए प्रोत्साहित करके टिकाऊ जीवन को बढ़ावा देना है और पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए संसाधनों के जिम्मेदार और जागरूक उपयोग पर जोर देना है।

पूरे भारत में LiFE के लिए व्यापक जागरूकता और वकालत पैदा करने के लिए, मिशन LiFE पर एक महीने तक चलने वाला जन-अभियान अभियान चल रहा है। "संपूर्ण सरकार" और ष्संपूर्ण समाजष दृष्टिकोण का पालन करते हुए, मंत्रालय ने मिशन लाइफ के संदेश को फैलाने के लिए केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों/प्रशासनों, संस्थानों और निजी संगठनों को एकजुट किया है।

1. **सतत तटीय प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय केंद्र (NCSCM)** ने केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में अगात्ती द्वीप पर मिशन LiFE को बढ़ावा देने के लिए एक और प्रयास शुरू किया है। पर्यावरण के लिए जीवनशैली के हिस्से के रूप में, NCSCM वैज्ञानिकों ने अगात्ती द्वीप पर एक सार्वजनिक आउटरीच और समुद्र तट सफाई अभियान चलाया। यह लक्षद्वीप द्वीपसमूह में बसे हुए द्वीपों में से एक है, और इसका सांस्कृतिक, जनसांख्यिकीय, पारिस्थितिक और आर्थिक महत्व है। अगात्ती द्वीप अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सफेद रेतीले समुद्र तटों और जीवंत समुद्री जीवन के कारण लक्षद्वीप में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यह द्वीप स्नॉर्केलिंग, स्कूबा डाइविंग और नाव पर्यटन जैसी गतिविधियों के लिए अवसर प्रदान करता है। इस द्वीप पर और पूरे लक्षद्वीप द्वीपसमूह में मछली पकड़ना एक महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि है। द्वीपवासियों में मछली पकड़ने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है और यह उनकी आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालाँकि, लक्षद्वीप द्वीप को हाल के वर्षों में समुद्री प्रदूषण सहित कई पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। समुद्र के बढ़ते स्तर, मूंगा विरंजन, जैव विविधता की हानि, और चरम मौसम की घटनाएं द्वीपों में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी कुछ विशिष्ट पर्यावरणीय चुनौतियाँ हैं।

2. **पर्यावरण संबंधी जानकारी, जागरूकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम (EIACP):** यह कार्यक्रम पूरे भारत में व्यक्तियों और समुदायों के बीच जागरूकता बढ़ाने, क्षमता निर्माण और स्थायी कार्यों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। EIACP कार्यक्रम केंद्रों ने विश्व पर्यावरण दिवस 2023 समारोह के लिए मिशन LiFE पर एक जन जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की।

3. **पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम (ईईपी):**पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम (ईईपी) के तहत विभिन्न इको-क्लबों ने 37,000 से अधिक बच्चों की भागीदारी के साथ मिशन लाइफ को बढ़ावा देने के लिए 1022 कार्यक्रम आयोजित किए। दिन के कार्यक्रमों के दौरान 36,000 से अधिक LiFE प्रतिज्ञाएँ भी ली गईं।

भारतीय नौसेना की हरित पहल

नौसेना, एक स्व-संचालित और पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार बल के रूप में, हमेशा पर्यावरण संरक्षण और हरित पहल के लिए प्रतिबद्ध रही है। समुद्र के संरक्षक के रूप में, नौसेना कई जहाजों, पनडुब्बियों और विमानों को नियोजित करती है जिनमें उच्च ऊर्जा तीव्रता होती है, इस प्रकार नौसेना द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक ऑपरेशन और प्रक्रिया में बढ़ी हुई ऊर्जा दक्षता सर्वोपरि है। भारतीय नौसेना ने 15.87MW की संचयी क्षमता के साथ सौर ऊर्जा शुरू की है जो भारत सरकार के 'जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन (JNNSM)' मिशन को पूरा करने के नौसेना के उद्देश्य के अनुरूप है। ये संयंत्र कम्प्यूटरीकृत निगरानी और नियंत्रण के साथ सिंगल-एक्सिस सन ट्रैकिंग तकनीक का उपयोग करके ग्रिड से जुड़े हुए हैं। इसके अतिरिक्त, एसपीवी (SPV) की 16 मेगावाट क्षमता निष्पादन के विभिन्न चरणों में है।

नौसेना के बंदरगाहों पर तेल रिसाव से निपटने के लिए, NMRL के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल समुद्री जैव-उपचार कारकों को स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। अत्याधुनिक तकनीक समुद्री क्षेत्र में अद्वितीय है। उत्पाद में सूक्ष्म जीवों और उनके विकास उत्तेजक का संयोजन होता है, जो विभिन्न प्रकार के

तेलों जैसे डीजल, चिकनाई, गंदे तेल आदि का उपभोग करते हैं, इस प्रकार किसी भी तेल संदूषण से समुद्री जल को साफ करते हैं और इसके परिणामस्वरूप समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान होता है।

भारतीय नौसेना ने IISc (बेंगलुरु) के सहयोग से प्राकृतिक रेफ्रिजरेंट कार्बन डाइऑक्साइड पर आधारित देश में 'अपनी तरह का पहला' 100 किलोवाट क्षमता वाला एसी प्लांट चालू किया है। **यह प्राकृतिक रेफ्रिजरेंट को नियोजित करके उच्च ग्लोबल वार्मिंग क्षमता (GWP) वाले पारंपरिक HCFC के उपयोग को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और यह भारत द्वारा अनुमोदित 2016 के किगाली समझौते के अनुरूप है।** परीक्षण और दोहन के लिए संयंत्र को उत्कृष्टता केंद्र (समुद्री इंजीनियरिंग), आईएनएस शिवाजी में स्थापित किया गया है। अब तक, संयंत्र ने 850 घंटे का परिचालन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

ईंधन के संभावित वैकल्पिक स्रोत के रूप में हाइड्रोजन का उपयोग भी भारतीय नौसेना द्वारा किया जा रहा है, हाइड्रोजन दहन डीजल इंजन के सफल तट परीक्षण पूरे हो चुके हैं, जिससे स्वच्छ दहन में वृद्धि हुई है, जिससे कार्बन मोनो ऑक्साइड उत्सर्जन में काफी कमी आई है। उपकरण को अब पायलट परीक्षणों के लिए जहाज पर फिट किया गया है। इसके अलावा, मेक इन इंडिया की भारत सरकार की पहल के अनुरूप, शिपयार्डों के साथ हाइड्रोजन ईंधन सेल-संचालित नौका शिल्प पर एक विकासात्मक परियोजना भी चलाई जा रही है। वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिए पिछले वर्ष में प्रयुक्त कुकिंग ऑयल-आधारित बायोडीजल जैसे वैकल्पिक ईंधन के उपयोग में भी प्रगति हुई है। नौसेना के मोटर परिवहन वाहनों में कुल 192KL B-7 मिश्रण बायोडीजल का उपयोग किया गया है।

समग्र कार्बन पदचिह्न को कम करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने के लिए, भारतीय नौसेना 'हमारी अगली पीढ़ियों के लिए हरित और स्वच्छ भविष्य सुनिश्चित करने के राष्ट्रीय उद्देश्य को साकार करते हुए, हरित पहल को आगे बढ़ाने के लिए' तैयार और प्रतिबद्ध है।

चक्रवात बिपरजॉय

- अरब सागर में विकसित, चक्रवात बिपरजॉय, जिसके पहले पाकिस्तान तट की ओर बढ़ने की उम्मीद थी, अब उसने अपना रास्ता बदल लिया है और उत्तरी गुजरात तट की ओर बढ़ रहा है, जिससे भूस्खलन की आशंका है।
- भारत के क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र (RSMC) के अनुसार, चक्रवात के कारण 2-3 मीटर ऊंचाई तक चक्रवात आ सकता है, फूस के मकान नष्ट हो सकते हैं, पक्के मकानों और सड़कों को नुकसान हो सकता है, बाढ़ आ सकती है, खड़ी फसलों, बागानों और बगीचों को बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है और गुजरात के उत्तरी और पश्चिमी तटीय जिलों में रेलवे, बिजली लाइनों और सिग्नलिंग प्रणालियों में व्यवधान हो सकता है।
- **चक्रवात बिपरजॉय, जिसमें 125-135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद है और जमीन पर पहुंचने तक हवाएं 150 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं, यह एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण चक्रवातों को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में वर्गीकृत करता है: अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात और उष्णकटिबंधीय चक्रवात।**

चक्रवात क्या है?

- **चक्रवात हवा की एक बड़े पैमाने की प्रणाली है जो कम दबाव वाले क्षेत्र के केंद्र के चारों ओर घूमती है। यह आमतौर पर हिंसक चक्रवात और खराब मौसम के साथ आता है। NDMA के अनुसार, चक्रवात की विशेषता अंदर की ओर घूमने वाली हवाएं होती हैं जो उत्तरी गोलार्ध में वामावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त घूमती हैं।**

अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात क्या हैं?

- **मध्य-अक्षांश चक्रवातों के रूप में भी जाना जाता है, अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात वे होते हैं जो उष्णकटिबंधीय के बाहर होते हैं।** अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन (NOAA) के अनुसार, उनके मूल में ठंडी हवा है, और जब ठंडी और गर्म हवाएं परस्पर क्रिया करती हैं तो संभावित ऊर्जा के निर्मुक्त होने से उन्हें ऊर्जा प्राप्त होती है। इसमें कहा गया है कि ऐसे चक्रवातों में हमेशा एक या एक से अधिक वाताग्र होते हैं-एक मौसम प्रणाली जो दो अलग-अलग प्रकार के वायु द्रव्यमानों के बीच की सीमा होती है। एक को गर्म हवा द्वारा दर्शाया जाता है और दूसरे को ठंडी हवा द्वारा-जो आपस में जुड़े होते हैं, और भूमि या समुद्र के ऊपर हो सकते हैं।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात क्या हैं?

- **उष्णकटिबंधीय चक्रवात वे हैं जो कर्क और मकर रेखाओं के उष्णकटिबंधीय के बीच के क्षेत्रों में विकसित होते हैं। ये पृथ्वी पर सबसे विनाशकारी चक्रवात हैं। ऐसे चक्रवात तब विकसित होते हैं जब "चक्रवात की गतिविधि परिसंचरण के केंद्र के करीब बनने लगती है, और सबसे तेज हवाएं और बारिश अब केंद्र से दूर एक बैंड में नहीं होती हैं।"** चक्रवात का केंद्र गर्म हो जाता है, और चक्रवात को अपनी अधिकांश ऊर्जा "अव्यक्त गर्मी" से मिलती है, जब गर्म समुद्र के पानी से वाष्पित होने वाला जल वाष्प संघनित होकर तरल पानी में बदल जाता है। इसके अलावा, गर्म वाताग्र या ठंडे वाताग्र उष्णकटिबंधीय चक्रवातों से जुड़े नहीं हैं।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के स्थान और ताकत के आधार पर अलग-अलग नाम होते हैं। उदाहरण के लिए, कैरेबियन सागर, मैक्सिको की खाड़ी, उत्तरी अटलांटिक महासागर और पूर्वी और मध्य उत्तरी प्रशांत महासागर में इन्हें चक्रवात के रूप में जाना जाता है। पश्चिमी उत्तरी प्रशांत क्षेत्र में इन्हें टाइफून कहा जाता है।

चक्रवात का "लैंडफॉल" क्या है?

- सीधे शब्दों में कहें तो, भूस्खलन एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात के पानी के ऊपर होने के बाद जमीन पर आने की घटना है। IMD के अनुसार, एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात को तब भूस्खलन कहा जाता है जब चक्रवात का केंद्र-या उसकी आंख-तट पर चलती है।
- महत्वपूर्ण रूप से भूस्खलन को 'प्रत्यक्ष प्रहार' के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए, जो ऐसी स्थिति को संदर्भित करता है जहां तेज हवाओं का केंद्र (या नेत्रगोलक) तट पर आता है लेकिन चक्रवात का केंद्र अपतटीय ही रह सकता है। अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) के अनुसार, क्योंकि उष्णकटिबंधीय चक्रवात में सबसे तेज हवाएँ ठीक केंद्र में स्थित नहीं होती हैं, इसलिए यह संभव है कि चक्रवात की सबसे तेज हवाएँ जमीन पर अनुभव की जाएँ, भले ही भूस्खलन न हो।

चक्रवात के आने से कितनी क्षति होती है?

- भूस्खलन से होने वाली क्षति चक्रवात की गंभीरता पर निर्भर करेगी-जो इसकी हवाओं की गति पर निर्भर करती है। आईएमडी द्वारा इसे "बहुत गंभीर चक्रवाती चक्रवात" के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिसके प्रभाव में कच्चे घरों को व्यापक क्षति, बिजली और संचार लाइनों में आंशिक व्यवधान, रेल और सड़क यातायात में मामूली व्यवधान, उड़ते हुए मलबे से संभावित खतरा और भागने के मार्गों में बाढ़ शामिल हो सकते हैं।
- इस तरह की क्षति के पीछे के कारकों में अत्यधिक तेज हवाएँ, भारी वर्षा और चक्रवात शामिल हैं जो तट पर विनाशकारी बाढ़ का कारण बनते हैं।

भूस्खलन कितने समय तक चलता है?

- भूस्खलन कुछ घंटों तक चल सकता है, उनकी सटीक अवधि हवाओं की गति और चक्रवात प्रणाली के आकार पर निर्भर करती है। चक्रवात बिपरजॉय की भूमि प्रक्रिया लगभग पांच से छह घंटे तक चलने की उम्मीद है, लगभग अगले 24 घंटों में चक्रवात लगभग पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा।
- नमी की आपूर्ति में तेज कमी और सतह घर्षण में वृद्धि के कारण भूमि पर आगे बढ़ने के बाद चक्रवात अपनी तीव्रता खो देते हैं। इसका मतलब यह है कि जहां भूस्खलन अक्सर चक्रवातों के सबसे विनाशकारी क्षण होते हैं, वहीं वे इसके अंत की शुरुआत का भी प्रतीक होते हैं।

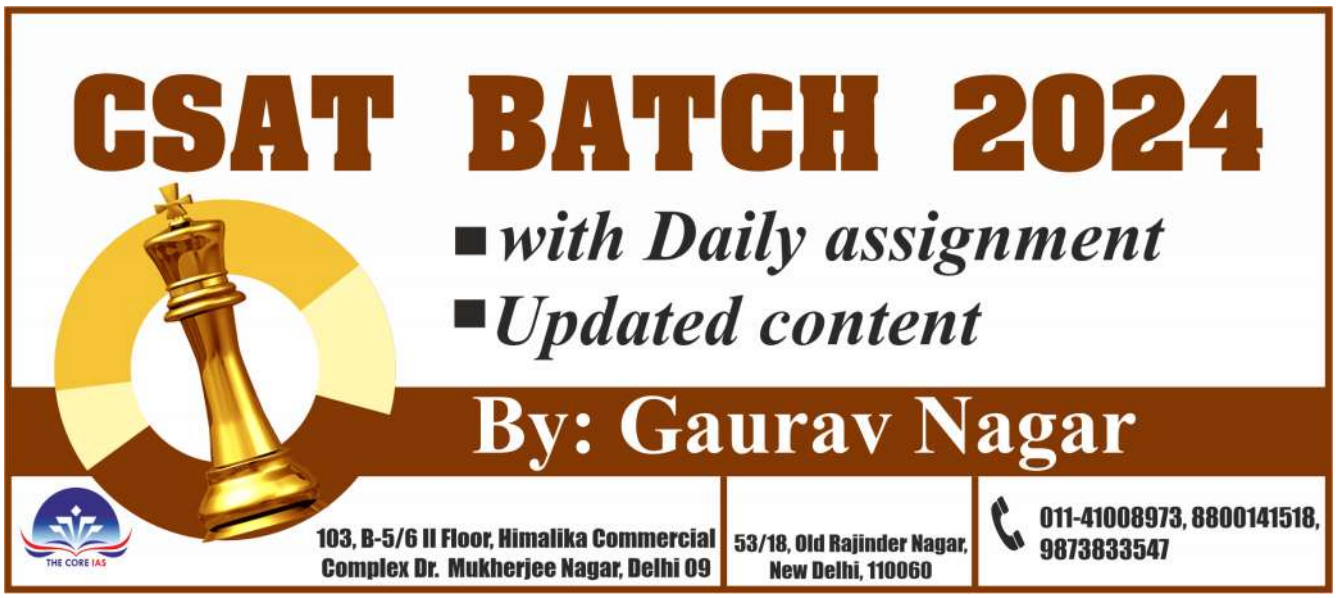

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर

जम्मू में

खर्ची पूजा

खर्ची पूजा त्रिपुरा के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। यह हर साल हजारों भक्तों की भागीदारी के साथ राज्य की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भावना को उजागर करता है।

वितस्ता-कश्मीर का त्योहार

कश्मीर की समृद्ध कला, संस्कृति, साहित्य, शिल्प और व्यंजन को पूरे देश तक पहुंचाने के लिए वितस्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हमारी भाषा, हमारी विरासत

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार ने 75वें अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के अवसर पर "हमारी भाषा, हमारी विरासत" प्रदर्शनी का आयोजन किया।

यह प्रदर्शनी एक राष्ट्र के रूप में भारत की भाषाई विविधता की बहुमूल्य विरासत को याद करने का एक प्रयास है: "राष्ट्र एक भाषा अनेक" भारत असाधारण भाषा विविधता से समृद्ध है। एक अनुमान के अनुसार वैश्विक स्तर पर बोली जाने वाली 7,111 भाषाओं में से लगभग 788 भाषाएँ अकेले भारत में बोली जाती हैं। इस प्रकार भारत पापुआ न्यू गिनी, इंडोनेशिया और नाइजीरिया के साथ दुनिया के चार सबसे अधिक भाषाई विविधता वाले देशों में से एक है।

भारतीय वैज्ञानिक भीमबेटका में सबसे पुराने जानवर के जीवाश्म की पहले की खोज का खंडन करते हैं

भारतीय वैज्ञानिकों ने साबित कर दिया है कि भारतीय डिकिंसोनिया जीवाश्म जो मूल रूप से 2021 में पहले के शोध में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भीमबेटका गुफा आश्रय से रिपोर्ट किया गया था, वास्तव में एक गिरे हुए मधुमक्खी के छत्ते की बची हुई छाप थी, न कि कोई असली जीवाश्म।

विंध्य समूह, पृथ्वी के एक अरब से अधिक वर्षों के इतिहास का एक संग्रह है, जो दुनिया के सबसे बड़े बेसिनों में से एक है और जीवाश्म की कई खोजों का स्थल है जो बताते हैं कि पृथ्वी पर सबसे पहले जीवन की उत्पत्ति और विविधता कैसे हुई।

क्षेत्र के अमेरिकी वैज्ञानिकों के एक समूह द्वारा एडियाकरन जीवाश्म की रिपोर्टिंग ने BSIP में एडियाकरन जीवाश्म विज्ञानियों के एक समूह को एक और समान जीवाश्म की तलाश करने और आगे की खोज करने के लिए उत्सुक किया।

यह है क्योंकि एडियाकरन जीवाश्मों को सबसे शुरुआती जानवर माना जाता है जो लगभग 550 मिलियन वर्ष पहले पृथ्वी पर मौजूद थे और इसलिए विकासवादी जीवविज्ञानी और जीवाश्म विज्ञानियों के बीच बहुत रुचि पैदा करते हैं। प्रीकैम्ब्रियन युग (पृथ्वी के इतिहास के 4000-538 मिलियन वर्ष) में जीवाश्म की खोजें पृथ्वी पर जीवन में हुए विकासवादी परिवर्तनों के बारे में जानने का दावा करती हैं। पृथ्वी पर जीवन के विकास की हमारी समझ पर उनके निहितार्थ के कारण, इनमें से कई खोजों का कुछ शोधकर्ताओं द्वारा अनुसरण और जांच की गई है।

लेजर रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और एक्स-रे डिफ्रेक्शन (एक्सआरडी) ने छत्ता बनाने में मधुमक्खियों की गतिविधि के कारण सामग्री में शहद और मोम की उपस्थिति की पुष्टि की। ऐसी गलत व्याख्याएं दुर्लभ हैं, लेकिन सटीक विकासवादी निशान का पता लगाने और भारतीय भूविज्ञान के सही अध्ययन के लिए उन्हें उचित परिश्रम के साथ सही करने की आवश्यकता है।

Scan QR Code To See Thecore's Achievers

2022
22 Questions In Prelims

2023
31 Questions In Prelims

2024
For You

53/18, Old Rajinder Nagar, New Delhi, 110060

011-41008973, 8800141518

हिन्दी साहित्य (वैकल्पिक विषय)

उत्तर लेखन 2024

500+अद्यतन प्रश्नों के साथ बैच प्रारंभ

- भाषा खण्ड (150 अंक)
- व्याख्या खण्ड (100 अंक

विशेष फोकस

अरविंद कुमार सर द्वारा.

THE CORE IAS

103, B-5/6 II Floor, Himalika Commercial Complex Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 09

53/18, Old Rajinder Nagar, New Delhi, 110060

011-41008973, 8800141518, 9873833547

फुकोट करनाली जलविद्युत परियोजना

एनएचपीसी लिमिटेड, 'मिनी रत्न' स्थिति के साथ भारत सरकार का एक अनुसूची 'ए' उद्यम, जलविद्युत के विकास के लिए भारत में एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम है और विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (वीयूसीएल), नेपाल विकास, निर्माण, स्वामित्व के लिए जिम्मेदार है। नेपाल में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल में बड़े पैमाने पर जलविद्युत परियोजनाएं संचालित करें।

यह परियोजना बिजली उत्पादन के लिए करनाली नदी के प्रवाह का उपयोग करेगी और उत्पन्न बिजली को नेपाल की एकीकृत बिजली प्रणाली में डाला जाएगा। परियोजना की स्थापित क्षमता 480 मेगावाट होगी और औसत वार्षिक उत्पादन लगभग 2448 गीगावॉट होगा। परियोजना की मुख्य विशेषताएं 109 मीटर ऊंचा आरसीसी बांध और एक भूमिगत बिजली घर हैं जहां 79 मेगावाट की 06 टर्बाइनें रखी जाएंगी। इसके अतिरिक्त, न्यूनतम पर्यावरणीय उत्सर्जन का उपयोग करने के लिए 6 मेगावाट क्षमता का एक सरफेस पावर हाउस यानी 3 मेगावाट की दो मशीनें भी लगाने की योजना है। इस परियोजना की कल्पना पीकिंग रन-ऑफ-रिवर (पीआरओआर) प्रकार की योजना के रूप में की गई है।

राष्ट्रीय महिला आयोग

राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना 1992 में राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 के तहत की गई थी। इस निकाय की स्थापना महिलाओं के लिए संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों की समीक्षा के लिए की गई थी।

संघटन

आयोग में न्यूनतम संख्या में सदस्य होने चाहिए जिसमें एक अध्यक्ष, एक सदस्य सचिव और अन्य पांच सदस्य शामिल हों।

- **अध्यक्ष:** केंद्र सरकार को अध्यक्ष मनोनीत करना चाहिए.
- **पांच सदस्य:** पांच सदस्यों को केंद्र सरकार द्वारा योग्य, ईमानदार और प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से नामित किया जाना है। उनके पास कानून या कानून, व्यापार संघवाद, महिलाओं की उद्योग क्षमता का प्रबंधन, महिलाओं के स्वैच्छिक संगठन, शिक्षा, प्रशासन, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुभव होना चाहिए।
- **सदस्य सचिव:** केंद्र सरकार सदस्य सचिव भी मनोनीत करती है। वह या तो प्रबंधन के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ, एक संगठन, या एक अधिकारी जो सदस्य हो।

यह उपचारात्मक विधायी उपायों की सिफारिश करता है, शिकायतों के निवारण की सुविधा प्रदान करता है और महिलाओं को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों पर सरकार को सलाह देता है। इसे सिविल न्यायालय की सभी शक्तियाँ प्राप्त हैं।

G20 अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला कार्य समूह

इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर वर्किंग ग्रुप जी20 फाइनेंस ट्रैक के तहत महत्वपूर्ण वर्कस्ट्रीम में से एक है, जिसका फोकस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय आर्किटेक्चर को मजबूत करने पर है। इसका उद्देश्य कमजोर देशों के सामने आने वाली कई चुनौतियों का समाधान करना भी है।

जूले लद्दाख

भारतीय नौसेना प्राचीन राज्य में सेवा के बारे में जागरूकता बढ़ाने और वहां के युवाओं और नागरिक समाज के साथ जुड़ने के लिए लद्दाख में एक आउटरीच कार्यक्रम "जूले लद्दाख" (हैलो लद्दाख) का संचालन कर रही है।

वैभव फैलोशिप कार्यक्रम

सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में ज्ञान, ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यों के लिए भारतीय एसटीईएमएम प्रवासियों को भारतीय शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के साथ जोड़ने के लिए एक नया फेलोशिप कार्यक्रम शुरू किया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाने वाला वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (VAIBHAV) फेलोशिप कार्यक्रम भारतीय मूल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविदों (एनआरआई/ओसीआई/पीआईओ) को प्रदान किया जाएगा

जो अपने संबंधित देशों में अनुसंधान गतिविधियों में लगे हुए हैं। 75 चयनित अध्येताओं को क्वांटम प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि, ऊर्जा, कंप्यूटर विज्ञान और सामग्री विज्ञान सहित 18 पहचाने गए ज्ञान क्षेत्रों में काम करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

भारत सरकार ने भारतीय स्टेम प्रवासी भारतीयों को भारतीय संस्थानों से जोड़ने के लिए वैभव शिखर सम्मेलन का आयोजन किया था, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री ने किया था और इसमें 25,000 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया था। 70 से अधिक देशों के भारतीय एसटीईएमएम प्रवासियों ने विचार-विमर्श में भाग लिया।

वैभव फेलो सहयोग के लिए एक भारतीय संस्थान की पहचान करेगा और अधिकतम 3 वर्षों के लिए एक वर्ष में दो महीने तक का समय व्यतीत कर सकता है। फेलोशिप में फेलोशिप अनुदान (INR 4,00,000 प्रति माह), अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू यात्रा, आवास और आकस्मिकताएँ शामिल होंगी। वैभव फेलो से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने भारतीय समकक्षों के साथ सहयोग करेंगे और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में मेजबान संस्थान में अनुसंधान गतिविधियों को शुरू करने में मदद करेंगे।

माउंट यूनुम

हिमाचल प्रदेश के लाहौल क्षेत्र में स्थित

***

THE CORE IAS

GS ANSWER WRITING

CURRENT AFFAIRS

ADVANCED COURSE

GS FOUNDATION

OPTIONAL SUBJECT

HINDI SAHITYA

HISTORY OPTIONAL

GEOGRAPHY OPTIONAL

THE CORE IAS

CSAT

011-41008973, 8800141518

योजना

पीएम स्वनिधि योजना

स्ट्रीट वेंडरों के भीतर स्वरोजगार, स्वावलंबन, स्वाभिमान (स्वरोजगार, आत्म-निर्वाह और आत्मविश्वास) को बहाल करने के उद्देश्य से शुरू की गई पीएम स्वनिधि योजना भारत सरकार की सबसे तेजी से बढ़ती माइक्रो-क्रेडिट योजनाओं में से एक बन गई है और इसने अपने नागरिकों को क्रेडिट तक पहुंच और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ाव प्रदान किया है।

सड़क विक्रेताओं को सहायता प्रदान करने के लिए, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने पीएम स्वनिधि एक माइक्रो क्रेडिट योजना शुरू की, जिसमें ₹10,000 के कार्यशील पूंजी संपार्श्विक मुक्त ऋण की सुविधा है, जिसके बाद 7% ब्याज सब्सिडी के साथ ₹20,000 और ₹50,000 के ऋण दिए जाएंगे।

यह योजना सड़क विक्रेताओं के बीच डिजिटल लेनदेन के उपयोग को बढ़ावा देकर भारत में डिजिटल पदचिह्न बढ़ाने पर केंद्रित है। डिजिटल लेनदेन को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्ट्रीट वेंडर्स को प्रति माह ₹100 तक का कैशबैक दिया जाता है।

इस योजना ने कोविड-19 प्रभावित स्ट्रीट वेंडरों को अपनी आजीविका फिर से शुरू करने का अधिकार दिया है। इतना ही नहीं, इसने वित्तीय समावेशन और स्ट्रीट वेंडरों को मुख्यधारा में लाने में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पर प्रकाश डाला गया। महामारी के बीच शुरू की गई इस योजना ने देश भर में रेहड़ी-पटरी वालों के जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

न्याय विकास पोर्टल

न्यायिक अवसंरचना के लिए कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की केंद्र प्रायोजित योजना (CSS), NRSC, ISRO की तकनीकी सहायता से, न्याय विकास के माध्यम से न्यायिक अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की बेहतर डिलीवरी की सुविधा के लिए एक उपयोगकर्ता के अनुकूल और पारदर्शी वेब पोर्टल की पूर्ति कर रही है।

उन्नत और उच्च प्रभाव अनुसंधान पर मिशन (MAHIR)

ऊर्जा मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने संयुक्त रूप से बिजली क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों की शीघ्रता से पहचान करने और उन्हें भारत के भीतर और बाहर तैनाती के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी रूप से विकसित करने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है। राष्ट्रीय मिशन, जिसका शीर्षक उन्नत और उच्च-प्रभाव अनुसंधान (MAHIR) पर मिशन है, का उद्देश्य बिजली क्षेत्र में नवीनतम और उभरती प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी अनुसंधान, विकास और प्रदर्शन को सुविधाजनक बनाना है। उभरती प्रौद्योगिकियों की पहचान करके और उन्हें कार्यान्वयन चरण में ले जाकर, मिशन उन्हें भविष्य के आर्थिक विकास के लिए मुख्य ईंधन के रूप में उपयोग करना चाहता है और इस प्रकार भारत को दुनिया का विनिर्माण केंद्र बनाना चाहता है।

मिशन को बिजली मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और दोनों मंत्रालयों के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के वित्तीय संसाधनों को एकत्रित करके वित्त पोषित किया जाएगा। किसी भी अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता भारत सरकार के बजटीय संसाधनों से जुटाई जाएगी।

2023-24 से 2027-28 तक पांच वर्षों की प्रारंभिक अवधि के लिए योजनाबद्ध, यह मिशन आइडिया टू प्रोडक्ट के प्रौद्योगिकी जीवन चक्र दृष्टिकोण का पालन करेगा।

जीवंत ग्राम कार्यक्रम

- यह एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है, जिसकी घोषणा केंद्रीय बजट 2022-23 (2025-26 तक) में उत्तरी सीमा पर गांवों के विकास के लिए की गई थी, जिससे चिन्हित सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।
- **यह हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों को कवर करेगा।**

- **जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों की मदद से वाइब्रेंट विलेज एक्शन प्लान बनाए जाएंगे।**
- **सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के साथ ओवरलैप नहीं होगा।**

उद्देश्य:

- यह योजना उत्तरी सीमा पर सीमावर्ती गांवों के स्थानीय, प्राकृतिक, मानव और अन्य संसाधनों के आधार पर आर्थिक चालकों की पहचान करने और विकसित करने में सहायता करती है;
- सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के माध्यम से 'हब और स्पोक मॉडल' पर विकास केंद्रों का विकास;
- स्थानीय, सांस्कृतिक, पारंपरिक ज्ञान और विरासत को बढ़ावा देकर पर्यटन क्षमता का लाभ उठाना;
- समुदाय-आधारित संगठनों, सहकारी समितियों, गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से 'एक गांव-एक उत्पाद' की अवधारणा पर टिकाऊ पर्यावरण-कृषि व्यवसायों का विकास।

जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन की परिकल्पना 2024 तक ग्रामीण भारत के सभी घरों में व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने की है। कार्यक्रम अनिवार्य तत्वों के रूप में स्रोत स्थिरता उपायों को भी लागू करेगा, जैसे कि भूजल प्रबंधन, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन के माध्यम से पुनर्भरण और पुन: उपयोग। जल जीवन मिशन पानी के प्रति सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित होगा और इसमें मिशन के प्रमुख घटक के रूप में व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार शामिल होगा। जल जीवन मिशन पानी के प्रति सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित होगा और इसमें मिशन के प्रमुख घटक के रूप में व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार शामिल होगा।

हर घर जल योजना:

- **हर घर जल योजना जल जीवन मिशन का हिस्सा है,जिसका कार्यान्वयन भारत में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा किया जाता है। इसका लक्ष्य देश के हर घर को पाइप से पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराना है।**

- **"हर घर जल" इसका अनुवाद "हर घर में पानी" है और यह मिशन के उद्देश्य को दर्शाता है।**
- **"हर घर जल" योजना के परिणामस्वरूप भारत में उन घरों के प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिनके पास अब पाइप से पानी के कनेक्शन तक पहुंच है, जो 64% तक पहुंच गया है, जो मिशन शुरू होने के बाद से पर्याप्त प्रगति का संकेत देता है।**
- **घरों में पाइप से पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराने के अलावा, इस योजना में गाँव के स्कूलों, आंगनवाड़ी, और सामुदायिक भवन में पानी के कनेक्शन की स्थापना भी शामिल है।**

सागर समृद्धि

इस प्रणाली को MoPSW की तकनीकी शाखा, राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (NTCPWC) द्वारा विकसित किया गया है। नई तकनीक ड्राफ्ट और लोडिंग मॉनिटर (डीएलएम) प्रणाली की पुरानी प्रणाली के मुकाबले उल्लेखनीय सुधार लाती है। यह प्रणाली कई इनपुट रिपोर्ट जैसे दैनिक ड्रेजिंग रिपोर्ट, प्रसंस्करण से पहले और वास्तविक समय ड्रेजिंग रिपोर्ट तैयार करने से पहले ड्रेजिंग सर्वेक्षण डेटा के बीच तालमेल लाएगी। 'सागर समृद्धि' निगरानी प्रणाली दैनिक और मासिक प्रगति विजुअलाइजेशन, ड्रेजर प्रदर्शन और डाउनटाइम मॉनिटरिंग, लोडिंग, अनलोडिंग और निष्क्रिय समय के स्नैपशॉट के साथ आसान स्थान ट्रैक डेटा की भी अनुमति देगी।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण सम्मेलन

सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और देश भर में सिविल सेवकों के लिए प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से क्षमता निर्माण आयोग द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण कॉन्क्लेव की मेजबानी की जा रही है।

प्रधानमंत्री सिविल सेवा की क्षमता निर्माण के माध्यम से देश में शासन प्रक्रिया और नीति कार्यान्वयन में सुधार के समर्थक रहे हैं। इस दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, सही दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान के साथ भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा तैयार करने के लिए राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता निर्माण कार्यक्रम (NPCSCB) – **'मिशन कर्मयोगी'** शुरू किया गया था। यह कॉन्क्लेव इस दिशा में एक और कदम है।

सम्मेलन में केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों, राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों, क्षेत्रीय और क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों और अनुसंधान संस्थानों सहित प्रशिक्षण संस्थानों के 1500 से अधिक

प्रतिनिधि भाग लेंगे। केंद्र सरकार के विभागों, राज्य सरकारों, स्थानीय सरकारों के सिविल सेवकों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ भी विचार-विमर्श में भाग लेंगे।

यह विविध जमावड़ा विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा, सामने आने वाली चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों की पहचान करेगा, और क्षमता निर्माण के लिए कार्रवाई योग्य समाधान और व्यापक रणनीति तैयार करेगा। कॉन्क्लेव में आठ पैनल चर्चाएं होंगी, जिनमें से प्रत्येक में सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों से संबंधित प्रमुख चिंताओं जैसे संकाय विकास, प्रशिक्षण प्रभाव मूल्यांकन और सामग्री डिजिटलीकरण आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

दक्षता

युवा पेशेवरों के लिए एक नया संग्रह, दक्षता (प्रशासन में समग्र परिवर्तन के लिए दृष्टिकोण, ज्ञान, कौशल का विकास) अब आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर लाइव है। सरकार में लगे युवा पेशेवरों और सलाहकारों के लिए तैयार, यह संग्रह (18 पाठ्यक्रमों से युक्त) शिक्षार्थियों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निर्वहन करने के लिए महत्वपूर्ण विषयों से परिचित कराकर कार्यात्मक, डोमेन और व्यवहारिक दक्षताओं का निर्माण करना चाहता है।

पीएम किसान

सरकार किसान परिवारों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से एक केंद्रीय क्षेत्र योजना लागू कर रही है, जिसका नाम है, "प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान)"।यह योजना 01.12.2018 से प्रभावी है।

- सभी भूमि धारक पात्र किसान परिवारों को आय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार ने PM-KISAN लॉन्च किया है।
- इस योजना का उद्देश्य अनुमानित कृषि आय के अनुरूप उचित फसल स्वास्थ्य और उचित पैदावार सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न इनपुट खरीदने में किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना है।
- मई 2019 के दौरान लिए गए हालिया कैबिनेट निर्णय के अनुसार, सभी भूमि धारक पात्र किसान परिवारों (प्रचलित बहिष्करण मानदंडों के अधीन) को इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करना है।
- संशोधित योजना में लगभग 2 करोड़ से अधिक किसानों को शामिल करने की उम्मीद है, जिससे केंद्र सरकार के वर्ष 2019-20 के लिए 87,217.50 करोड़ अनुमानित व्यय के साथ पीएम-किसान का कवरेज लगभग 14.5 करोड़ लाभार्थियों तक बढ़ जाएगा।
- **इससे पहले, इस योजना के तहत, 2 हेक्टेयर तक की कुल खेती योग्य भूमि वाले सभी छोटे और सीमांत भूमिधारक किसान परिवारों को वित्तीय लाभ प्रदान किया गया है, जिसमें प्रति परिवार 6000 रुपये प्रति वर्ष का लाभ हर चार महीने में तीन समान किश्तों में देय होता है।**

नंदी (नई दवा और टीकाकरण प्रणाली के लिए एनओसी अनुमोदन) पोर्टल

इस पोर्टल के साथ, पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के SUGAM पोर्टल के साथ सहज एकीकरण के माध्यम से पशु चिकित्सा उत्पाद प्रस्तावों के मूल्यांकन और जांच के लिए पारदर्शिता के साथ नियामक अनुमोदन प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करेगा। इस पहल को डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ाने और पशुधन और पशुधन उद्योग की भलाई को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में रेखांकित किया गया है। पशु टीकाकरण कवरेज पहल और मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों के बाद नंदी पोर्टल का लॉन्च एक और उल्लेखनीय उपक्रम है। यह पहल शोधकर्ताओं और उद्योगों को व्यावसायिक दृष्टिकोण से भी मूल्यवान सहायता प्रदान करेगी। पशुपालकों के बीच जागरूकता बढ़ाकर और रसद सुविधाओं में सुधार करके, नशीली दवाओं की खपत में वृद्धि होगी। केंद्रीय मंत्री ने एक मजबूत प्रणाली स्थापित करने के लिए कुछ महीनों तक पोर्टल की गतिविधियों की बारीकी से निगरानी करने के महत्व पर जोर दिया।

चैंपियंस 2.0 पोर्टल

MSME मंत्रालय की पहल, MSME की वृद्धि और विकास के लिए समर्पित

OUR CLASSROOM RESULTS NOT OF INTERVIEW

THE CORE IAS

Scan here for Testimonial

103, B-5/6 II Floor, Himalika Commercial Complex Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 09

53/18, Old Rajinder Nagar, New Delhi, 110060